चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	17.9.23	2	5-6

शिक्षाविदों को कृषि की नई तकनीकों के बारे में बताया

हकृवि में हाइड्रोपोनिक्स और एरोपोनिक्स खेती विषय पर आयोजित छह दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान मौजूद विशेषज्ञ व शिक्षाविद।

हिसार| चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के कौशल विकास कार्यक्रम के तहत दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षाविद् के लिए हाइड्रोपोनिक्स और एरोपोनिक्स खेती विषय पर छह दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर. काम्बोज ने कहा कि बीते एक माह में दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षाविदों के कौशल विकास के लिए प्रशिक्षणों के क्रम में यह चौथा प्रशिक्षण है।

कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता व पाठ्यक्रम निदेशक डॉ. एसके पाहुजा ने बताया कि उपरोक्त छह दिवसीय प्रशिक्षण विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में बागवानी विभाग द्वारा आयोजित किया गया था जिसमें दिल्ली विश्वविद्यालय से शिक्षाविदें ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण में उन्हे हाइड्रोपोनिक्स और एरोपोनिक्स खेती के हर पहलु पर विस्तार से जानकारी दी गई।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	17-9-23	4 --	7-8

कार्यशाला में शिक्षाविदों को कृषि की आधुनिक तकनीकों में किया प्रशिक्षित

एचएयू में हाइड्रोपोनिक्स और एरोपोनिक्स खेती विषय पर आयोजित छह दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान मौजूद विशेषज्ञ व शिक्षाविद्। स्रोत : विवि

माई सिटी रिपोर्टर

प्रशिक्षण में हाइड्रोपोनिक्स व एरोपोनिक्स खेती के विभिन्न पहलुओं से करवाया रुबरु

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के कौशल विकास कार्यक्रम के तहत दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षाविदों के लिए हाइड्रोपोनिक्स और एरोपोनिक्स खेती विषय पर छः दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता व पाठ्यक्रम निदेशक डॉ. एसके पाहुजा ने बताया कि दिल्ली विश्वविद्यालय से शिक्षाविदों को हाइड्रोपोनिक्स और एरोपोनिक्स खेती के हर पहलु पर विस्तार से जानकारी दी गई।

पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. अरविंद मलिक नें बताया कि हाइड्रोपोनिक खेती एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें खेती पूरी तरह से जल में होती है। इसमें मुख्य निर्भरता मिट्टी पर न होकर पानी पर होती है। इस प्रक्रिया में मिट्टी का कम इस्तेमाल किया जाता है। इनमें शिमला मिर्च, स्ट्रॉबेरी, ब्लैकबेरी, ब्लूबेरी, अजवाइन, तुलसी, टमाटर जैसी सब्जियां और फल उगाए जाते हैं। एरोपोनिक्स विधि उन सब्जियों की खेती के लिए उपयुक्त है, जिनकी जड़ें ऑक्सीजन और नमी जैसी सर्वोत्तम स्थिति को अपना सकती हैं।

इन्हें नियंत्रित तापमान और आर्द्रता की स्थिति में उगाया जा सकता है। इस तकनीक में फसलों को पॉलीहाउस में लगाना सबसे उपयुक्त है। प्रशिक्षणार्थियों को गांव डाबड़ा में खेतों का दौरा करवा गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	17.9.23	5	1-3

हकृवि ने दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षाविदों को कृषि की अत्याधुनिक तकनीकों में किया प्रशिक्षित

प्रशिक्षणों में प्रतिभागियों को हाइड्रोपोनिक्स और एरोपोनिक्स खेती के विभिन्न पहलुओं से करवाया रूबरू

हकृवि में हाइड्रोपोनिक्स और एरोपोनिक्स खेती विषय पर आयोजित छ: दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान मौजूद विशेषज्ञ व शिक्षाविद्।

हिसार, 16 सितंबर (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के कौशल विकास कार्यक्रम के तहत दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षाविदें के लिए हाइड्रोपोनिक्स और एरोपोनिक्स खेती विषय पर छ: दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि बीते एक माह में दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षाविदें के कौशल विकास के लिए प्रशिक्षणों के क्रम में यह चौथा प्रशिक्षण है। इससे पूर्व उपरोक्त विश्वविद्यालय के शिक्षकों के लिए जैविक खेती व जैव उर्वरक, फूलों की खेती व बागवानी, नर्सरी, भू संरचना व बागवानी विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किए गए हैं। उन्होंने बताया कि इन प्रशिक्षणों में प्रतिभागियों को मुख्यत: नर्सरी तैयार करना, डिजाईनिंग व उपकरणों, ग्रीन हाउस प्रबंधन, फसल की खेती, पोषक तत्व प्रबंधन व अनुमान, सगंध व औषधीय पौधों की खेती और पौधों की सुरक्षा व उपाय विषयों पर व्यवहारिक जानकारियां प्रदान की गईं।

कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता व पाठ्यक्रम निदेशक डॉ. एस.के.पाहुजा ने बताया कि उपरोक्त छह दिवसीय प्रशिक्षण विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में बागवानी विभाग द्वारा आयोजित किया गया था जिसमें दिल्ली विश्वविद्यालय से शिक्षाविदें ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण में उन्हे हाइड्रोपोनिक्स और एरोपोनिक्स खेती के हर पहलु पर विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को निकटवर्ती गांव डाबड़ा में खेतों का दौरा किया गया, जहां उन्हे समन्वित खेती मॉडल और एक्वापोनिक्स के बारे में अपडेट जानकारी प्रदान की गई।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	16.9.2023	--	--

हकृवि ने दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षाविदों को कृषि की अत्याधुनिक तकनीकों में किया प्रशिक्षित

पांच बजे न्यूज

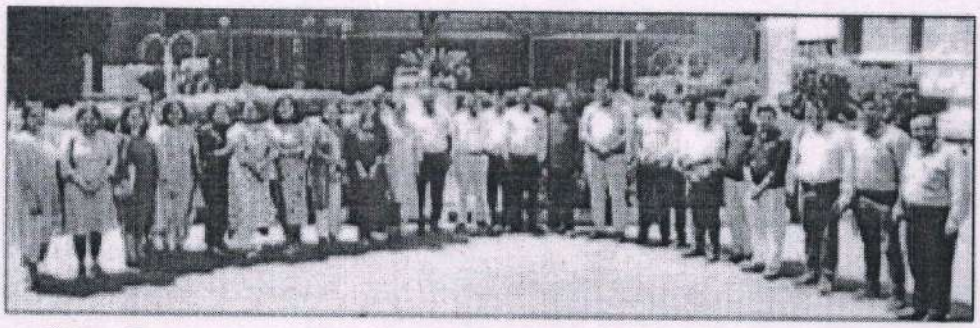

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के कौशल विकास कार्यक्रम के तहत दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षाविदों के लिए हाइड्रोपोनिक्स और एरोपोनिक्स खेती विषय पर छः दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि बीते एक माह में दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षाविदों के कौशल विकास के लिए प्रशिक्षणों के क्रम में यह चौथा प्रशिक्षण है। इससे पूर्व उपरोक्त विश्वविद्यालय के शिक्षकों के लिए जैविक खेती व जैव उर्वरक, फूलों की खेती व बागवानी, नर्सरी, भू संरचना व बागवानी विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किए गए हैं। उन्होंने बताया कि इन प्रशिक्षणों में प्रतिभागियों को मुख्यतः नर्सरी तैयार करना, डिजाईनिंग व उपकरणों, ग्रीन हाउस प्रबंधन, फसल की खेती, पोषक तत्व प्रबंधन व अनुमान, सगंध व औषधीय पौधों की खेती और पौधों की सुरक्षा व उपाय विषयों पर व्यवहारिक जानकारियां प्रदान की गईं। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता व पाठ्यक्रम निदेशक डॉ. एस.के.पाहुजा ने बताया कि उपरोक्त छह दिवसीय प्रशिक्षण विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में बागवानी विभाग द्वारा आयोजित किया गया था जिसमें दिल्ली विश्वविद्यालय से शिक्षाविदों ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण में उन्हे हाइड्रोपोनिक्स और एरोपोनिक्स खेती के हर पहलु पर विस्तार से जानकारी दी गई। पाठ्यक्रम समन्यवक डॉ. अरविंद मलिक ने बताया कि हाइड्रोपोनिक खेती एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें खेती पूरी तरह से जल में होती है। इसमें मुख्य निर्भरता मिट्टी पर न होकर पानी पर होती है। इस प्रक्रिया में मिट्टी का कम इस्तेमाल किया जाता है। अर्थात कम या बिना मिट्टी के सिर्फ पानी के जरिए ही खेती करना हाइड्रोपोनिक खेती प्रक्रिया में शामिल होता है। इस विधि का मुख्य उद्देश्य पानी का इस्तेमाल कर जलवायु को नियंत्रित करके खेती की जाती है, जिसमें पौधों को पोषक तत्व पानी के जरिए ही दिए जाते हैं। खासतौर पर यह तकनीक छोटे पौधों वाली फसलों के लिए बहुत अच्छी है, जिनमें शिमला मिर्च, स्ट्रॉबेरी, ब्लैकबेरी, ब्लूबेरी, अजवाइन, तुलसी, टमाटर जैसी सब्जियां और फल उगाए जाते हैं, जबकि एरोपोनिक्स विधि में उन सब्जियों की खेती के लिए उपयुक्त है, जिनकी जड़े ऑक्सीजन और नमी जैसी सर्वोत्तम स्थिति को अपना सकती है। इन्हें नियंत्रित तापमान और आद्रता की स्थिति में उगाया जा सकता है। इस तकनीक में फसलों को पॉलीहाउस में लगाना सबसे उपयुक्त है। इससे सबसे बड़ा फायदा है कि इस विधि में पानी की बर्बादी से बचाया जा सकता है। इसमें पारम्परिक तकनीकों की तुलना में उपज छह गुना तक ज्यादा होती है। हाइड्रोपोनिक्स का उपयोग करके एन्थ्यूरियम व आर्किड की खेती तथा एयरोपोनिक्स द्वारा घर की छत पर किचन गार्डनिंग व आलू कंद उत्पादन सहित अन्य विषयों के बारे में भी बताया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को निकटवर्ती गांव डाबड़ा में खेतों का दौरा किया गया, जहां उन्हे सम्मन्वित खेती मॉडल और एक्वापोनिक्स के बारे में अपडेट जानकारी प्रदान की गई।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	17.9.23	3	7-8

शिक्षक सम्मान समारोह में 30 शिक्षक सम्मानित

हिसार| दैनिक भास्कर द्वारा आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह में शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय काम करने वाले 30 शिक्षकों का सम्मान किया गया। एचएयू वीसी प्रो. बीआर काम्बोज व अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। - *पढ़े विस्तृत समाचार पेज 6 पर*

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष न्यूज	16.9.2023	--	--

महान इंजीनियर सर.एम विश्वेशवरैया की जयंती पर हकृवि में मनाया गया अभियंता दिवस

कृषि में मशीनीकरण को बढ़ावा देना समय की मांग : प्रो. काम्बोज

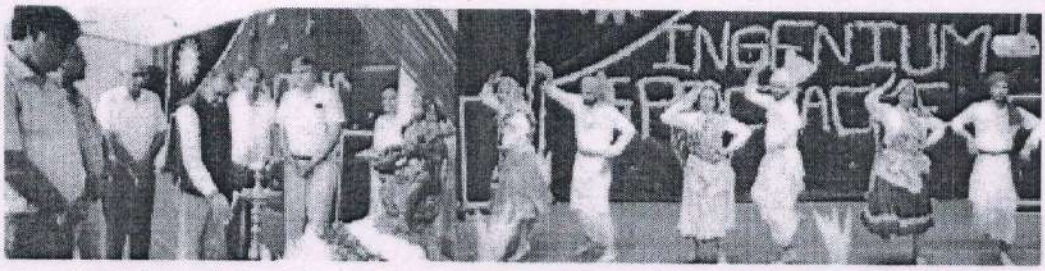

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 16 सितम्बर : आधुनिक युग में कृषि मशीनीकरण, मिट्टी और जल संरक्षण, प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन व ऊर्जा प्रबंधन के साथ कृषि उत्पादन को बढ़ाने में कृषि इंजीनियर अपनी भूमिका निभा रहे हैं लेकिन अब समय की मांग है कि कृषि क्षेत्र से जुड़े इंजीनियरों को किसानों की कृषि जोत व उनकी आवश्यकता के अनुरूप कृषि मशीनों व यंत्रों को विकसित करने होंगे। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय द्वारा महान इंजीनियर सर.एम विश्वेशवरैया की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित किए गए अभियंता दिवस कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे।

मुख्यातिथि प्रो. काम्बोज ने कहा कि कृषि पैदावार को बढ़ाने और कृषि में समय व श्रम की बचत के लिए मशीनीकरण को बढ़ावा देना समय की मांग है लेकिन अभी भी कृषि क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन व खाद्यानों को भंडारण सुरक्षित रखने की चुनौतियां हैं, जिनसे निपटने के लिए कृषि इंजीनियरों विशेषकर युवा इंजीनियरों को आगे आना होगा। उन्होंने कहा कि जिन किसानों के पास कम भूमि है उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत करना युवा वैज्ञानिकों की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। इसलिए वे ज्ञान व कौशल को बढ़ाने पर ध्यान दें। ताकि उनके द्वारा विकसित मशीनों की सहायता से किसान भूमि की जुताई व बिजाई से लेकर फसल की कटाई व ढुलाई का काम समय पर पूरा कर सकें।

कार्यक्रम में उत्तरी क्षेत्र कृषि मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान, हिसार के निदेशक डॉ. मुकेश जैन ने विश्व प्रसिद्ध भारत रत्न पुरस्कार से अलंकृत श्री एम. विश्वेशवरैया को श्रद्धांजलि दी। साथ ही उनके द्वारा दिए गए विज्ञान के क्षेत्र में अनूठे योगदान के बारे में चर्चा की। उन्होंने युवा शोधार्थियों व विद्यार्थियों को सफल वैज्ञानिक बनने के टिप्स देकर इनोवेशन व नए आइडिया पैदा करने के लिए प्रेरित किया। कृषि अभियांत्रिकी एवं तकनीकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. बलदेव डोगरा ने स्वागत किया। कार्यक्रम में मंच का संचालन छात्र नवयता, प्रद्युम्यन बिश्नोई, कीर्ति तंवर व ऋतिक पंवार ने किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में कलाकारों ने दी मनमोहक प्रस्तुतियां

इस अवसर पर उपरोक्त महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी का मनमोह लिया। सर्वप्रथम विद्यार्थियों ने पुराने व नए गानों के कंबिनेशन संगीतों पर थिरकर दर्शकों को तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया। उसके बाद छात्रा सुनैना मोर ने स्टैंडअप कॉमेडी कर माहौल को खुशनुमा कर दिया। इसके बाद विद्यार्थियों ने अंध-विश्वास, राजनीति, मीडिया, अपराध, कानून सहित अन्य क्षेत्रों में फैले भ्रष्टाचार व सामाजिक कुरीतियों के साथ बदलती सोच पर कटाक्ष कर नाट्य का मंचन किया। अंत में हरियाणवी नृत्य में तेरे नैन चमक तलवार नागण सी व बोल तेरे मीठे-मीठे बाते तेरी साच्ची लागै गानों पर कलाकारों ने डांस कर समां बांध दिया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने राजस्थानी गानों पर भी बेहतरीन प्रस्तुतियां दी।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, शिक्षक व गैरशिक्षक कर्मचारी भी शामिल हुए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	16.9.2023	--	--

डीयू के शिक्षाविदों ने हकृवि में जाना हाइड्रोपोनिक्स और एरोपोनिक्स खेती बारे

नभ-छोर ब्यूज ▶▶ 16 सितंबर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के कौशल विकास कार्यक्रम के तहत दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षाविदों के लिए हाइड्रोपोनिक्स और एरोपोनिक्स खेती विषय पर छह दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि बीते एक माह में दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षाविदों के कौशल विकास के लिए प्रशिक्षणों के क्रम में यह चौथा प्रशिक्षण है। इससे पूर्व उपरोक्त विश्वविद्यालय के शिक्षकों के लिए जैविक खेती व जैव उर्वरक, फूलों की खेती व बागवानी, नर्सरी, भू संरचना व बागवानी विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किए गए हैं। उन्होंने बताया कि इन प्रशिक्षणों में प्रतिभागियों को मुख्यतः नर्सरी तैयार करना, डिजाईनिंग व उपकरणों, ग्रीन हाउस प्रबंधन, फसल की खेती, पोषक तत्व प्रबंधन व अनुमान, सगंध व औषधीय पौधों की खेती और पौधों की सुरक्षा व उपाय विषयों पर व्यवहारिक जानकारियां प्रदान की गई। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता व पाठ्यक्रम निदेशक डॉ. एसके पाहुजा ने बताया कि उपरोक्त छह दिवसीय प्रशिक्षण विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में बागवानी विभाग द्वारा आयोजित किया गया था जिसमें दिल्ली विश्वविद्यालय से शिक्षाविदों ने भाग लिया। पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. अरविंद मलिक ने बताया कि हाइड्रोपोनिक खेती एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें खेती पूरी तरह से जल में होती है। इसमें मुख्य निर्भरता मिट्टी पर न होकर पानी पर होती है। इस प्रक्रिया में मिट्टी का कम इस्तेमाल किया जाता है। अर्थात कम या बिना मिट्टी के सिर्फ पानी के जरिए ही खेती करना हाइड्रोपोनिक खेती प्रक्रिया में शामिल होता है। इस विधि का मुख्य उद्देश्य पानी का इस्तेमाल कर जलवायु को नियंत्रित करके खेती की जाती है, जिसमें पौधों को पोषक तत्व पानी के जरिए ही दिए जाते हैं। खासतौर पर यह तकनीक छोटे पौधों वाली फसलों के लिए बहुत अच्छी है, जिनमें शिमला मिर्च, स्ट्रॉबेरी, ब्लैकबेरी, ब्लूबेरी, अजवाइन, तुलसी, टमाटर जैसी सब्जियां और फल उगाए जाते हैं, जबकि एरोपोनिक्स विधि में उन सब्जियों की खेती के लिए उपयुक्त है, जिनकी जड़ें ऑक्सीजन और नमी जैसी सर्वोत्तम स्थिति को अपना सकती हैं। इन्हें नियंत्रित तापमान और आद्रता की स्थिति में उगाया जा सकता है। इस तकनीक में फसलों को पॉलीहाउस में लगाना सबसे उपयुक्त है। इससे सबसे बड़ा फायदा है कि इस विधि में पानी की बर्बादी को बचाया जा सकता है। इसमें पारम्परिक तकनीकों की तुलना में उपज छह गुणा तक ज्यादा होती है। हाइड्रोपोनिक्स का उपयोग करके एन्थ्यूरियम व आर्किड की खेती तथा एयरोपोनिक्स द्वारा घर की छत पर किचन गार्डनिंग व आलू कंद उत्पादन सहित अन्य विषयों के बारे में भी बताया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	17-9-23	6 --	1-8-

दैनिक भास्कर शिक्षक सम्मान
शिक्षक ही हमारा जीवन बनाता है : प्रो. काम्बोज

भास्कर न्यूज | हिसार

नौजवान पीढ़ी को कुरीतियों की तरफ जाने से रोकना, इनको सही मार्ग पर लाना ही शिक्षक का काम है। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वव द्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने दैनिक भास्कर और ऑवर्स अकेडमी के शिक्षक सम्मान -2023 समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए कही। आचार्य तुलसी भवन ऑडिटोरियम, जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड, ओपी जिंदल मार्ग में आयोजित कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य के लिए 30 शिक्षकों को सम्मानित किया गया। समारोह में ऑवर्स अकेडमी के निदेशक सुरेंद्र पूनिया, जेएसएल के सीनियर वाइस प्रेसीडेंट विजय कुमार बिंदलेश उपस्थित रहे। मंच संचालन पैलिडियम स्कूल के सुमित सूर्यवंशी और प्रिया ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत लिडिंग सीनियर सेकंडरी स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा गणेश वंदना से की गई। हकुवि कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी में नशाखोरी बढ़ रही है, इनको सही मार्ग दिखाना और उस पर लाना भी शिक्षक की ही जिम्मेवारी है। शिक्षक ही है जो आपके जीवन को सुखमय बनाता है, जीवन में आगे बढ़ना सिखाता है।

दैनिक भास्कर के शिक्षक सम्मान समारोह में सम्मानित हुए शिक्षक मुख्य अतिथि एचएयू कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज, आवर्स अकेडमी के निदेशक सुरेंद्र पूनिया के साथ। - फोटो रोकी कुमार।

ये शिक्षक किए गए सम्मानित

भूपेंद्र सिंगला, हरट्रोन स्किल सेंटर (नजदीक जाट कॉलेज), नीरजा खन्ना व ममता, स्प्रिंग फील्ड स्कूल, जीपी सर, जीपीएस क्लासिज, पंकज चौधरी व रजनीश कुमार, टाइम - ट्रिम्फनट इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एजुकेशन, कोमल कल्याण व विवेक कुमार, होली चाइल्ड सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सुमित सूर्यवंशी व नीना चावला, पैलेडियम स्कूल, एसएन टेलेंटिया व नीरू भाटिया, श्रीकृष्ण प्रणामी पब्लिक स्कूल, सोनिका बेनीवाल व प्रीति शर्मा, स्मॉल वंडर स्कूल, बिंदू यादव व राजबीर, सेंट मैरी स्कूल, पूनम मेहता व संजय शर्मा, ओपी जिंदल मार्डन स्कूल, शंकर लाल व श्वेता, सेंट जोसेफ इंटरनेशनल स्कूल, प्रया श्योराण व संतोष पानू, लीडिंग सीनियर सेकेंडरी स्कूल, विनोद कुमार अरोड़ा व कमलेश भाकर, स्मॉल वंडर पब्लिक स्कूल, डिल्लो विद्या देवी जिंदल स्कू मीना गर्ग, मॉडर्न डिफेंस स तरूणा कुहाड़, स्मॉल वंडर सम्मान समारोह में सम्मानित वि